NICT/29Oct/2014/015

Only for internal circulation

NICT संपर्क
साप्ताहिक समाचार पत्र

स्वच्छ विचारों से हो 'स्वच्छ भारत' का निर्माण

हमारे इस अंक में हम आप सभी के समक्ष देशभर में चलाये जा रहे **''स्वच्छ भारत अभियान''** की सार्थकता और पूर्णता पर अपने विचार रखना चाहते है। जिसमें हमारा उद्देश्य इस कार्य को ओर प्रबल बनाना है, ताकि स्वच्छ भारत का सपना जो **''महात्मा गाँधी''** ने भी देखा था उसे पूरा किया जा सके।

आज़ादी के बाद से ही हमने अपनी नैतिक जिम्मेदारी को समझते हुये हर उस क्षेत्र में कामयाबी हासिल की है, जो भारत की अखण्डता और प्रभुता को कायम रखें। हमने शुरू से ही प्रगति की ओर नित नये कदम बढ़ाये है, चाहे उद्योग हो, तकनीक हो या फिर चाहे नागरिक विकास का विषय हो, हर एक क्षेत्र में हमारा प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है।

अगर हम स्वच्छता की बात करें, तो यह वो जबावदेही है, जो हर एक नागरिक को अपने मूल कर्तव्य से जोड़कर देखना चाहिऐ और साथ मिलकर पूरा करने की कोशिश भी। ताकि हम सभी एक स्वच्छ वातावरण में सांस ले सके।

कई वर्षो से हमारी सरकारें स्वच्छता के लिये समय–समय पर अभियान चलाती आ रही है, और इन सब अभियान का एक ही उद्देश्य होता है स्वच्छ भारत स्वच्छ भारत। जिसके लिये कभी कोई नेता झाड़ू लेकर रास्ता साफ करने के लिये निकल जाता है, तो कभी कोई समाजसेवी सफाई करके लोगों को समझाइस देता नजर आता है और जिसे हमारा मीडिया बिना किसी चूक के कवरेज भी बखूबी देता है। क्या हमारे नागरिको को स्वच्छता व सफाई के लिये इस तरह के पाठ पढ़ाना आवश्यक है क्या लोगों को इसकी समझ नहीं है? हो सकता है कि यह सब इसलिये किया जाता हो, ताकि आम लोगों की याददास्त को तरोताजा बनाये रखा जाये और सभी स्वच्छता को लेकर गम्भीर रहें।

मगर क्या हमने कभी सोचा है, जो कार्य जिस समय जिस व्यक्ति की जबावदेही होनी चाहिये अगर वो उसे उस समय पूरा न करें, तो इसके लिये किसे जबावदेह ठहराया जाए? हमारे प्रशासन तंत्र के कर्मगार को या फिर आम लोगों को, हमें समझना होगा, कि नियत परिस्थिति किसकी जबाबदेही है, और उसे किस तरह से हमारे वातावरण के अनुकूल बनाया जाये। जिसमें हमारे देश की मीड़िया व समाजसेवी संगठनों को भी समय–समय पर सक्रीय भूमिका निभानी पड़ेगी।

सीधी सी बात है, अगर कोई अपने घर का कचरा किसी सार्वजनिक स्थान में फेंक दे, जो उसे नहीं फेकना चाहिये, तो उसे कौन साफ करेगा, सफाई कर्मी या उस राह से गुजरने वाले व्यक्ति या फिर वहीं पर सड़ने के लिये रखा रहने दिया जाये। यह वो स्थिति होती है जिससे हमेशा लेटलतीफी और गैर–जिम्मेदाराना रवैया देखने को मिलता है। क्योकि कोई न कोई शख्स अपने कार्य के प्रति लापरवाही करता है। जिसका नतीजा सभी को भुगतना पड़ता है।

पहली बात तो यह है, कि इस तरह की गलती होनी ही नहीं चाहिये, दूसरी बात प्रशासन तंत्र में लगें व्यक्ति को अपने ड्यूटी समय पर करनी चाहिये और अगर किसी व्यक्ति के घर के सामने कचरा पड़ा है, तो उसे नगर निगम या नगरपालिका के कर्मगार का इंतजार न करके अपने सामाजिक दायित्य का निर्वहन करते हुये उस कचरे को साफ कर देना चाहिए। जो एक सामाजिक नैतिक जबावदेही भी बनती है।

स्वच्छ भारत के सपनें को पूरा करने के लिये प्रत्येक नागरिकों में **स्वच्छ विचारों** का होना बहुत आवश्यक है। जिसमें साम्प्रदायिकता, धर्मवाद, रूढ़िवाधिताऐं, दोहरी राजनीति आदि विषयों पर अपने विचारों का सही समीकरण होना आवश्यक है, क्योकि अगर हम अपने विचारों से अपने आसपास और अपने कार्यों में सकारात्मक रवैया अपनाते है, तो स्वच्छता के साथ–साथ अन्य विषयों पर भी विजय हासिल की जा सकती है। जो राष्ट्रीय समग्रता व एकता के लिये भी आवश्यक है। अगर हम सभी अपनी–अपनी नैतिक जवाबदेही को यूँ ही समझे तो वो दिन दूर नहीं जब हमारे चारों ओर एक ऐसा वातावरण निर्मित हो जायेगा, जिसमें हर एक व्यक्ति अपनी जबावदेही को समझते हुये सामाजिक दायित्वों का निर्वाहन करेगा और स्वच्छता के लिये किये जा रहे प्रयासों को एक नया आयाम भी मिल पायेगा।

संपादक
संजय सोनी

Designed by: Pooja Sharma

NICT संपर्क
साप्ताहिक समाचार पत्र

पंजाब

दिनांक 10 अक्टूबर 2014 को लुधियाना जिला के मण्डी गोविन्दगण में ''**बैंक ऑफ बड़ौदा**'' के ''**ग्राहक सेवा केन्द्र**'' की शुरूवात की गयी। एसडीपी संचालक श्री संदीप कुमार जी है।

दिनांक 16 अक्टूबर 2014 को अमृतसर के तारनतरन जिला के कुल्ला में ''**बैंक ऑफ बड़ौदा**'' के एसडीपी का शुभारम्भ हुआ। इस एसडीपी में **आईआरसीटीसी, इन्श्योरेन्स, प्रान कार्ड** आदि की सेवाऐं प्रदान की जायेगी। एसडीपी का उद्घाटन श्री सतनाम सिंह (चेनल पार्टनर– तारनतरन) द्वारा किया गया। संचालक श्री हरजिन्दर सिंह है।

मध्य प्रदेश

दिनांक 11 अक्टूबर 2014 को **''नर्मदा झाबुआ ग्रामीण बैंक''** की गांधीनगर शाखा का उद्घाटन एक कार्यक्रम के साथ हुआ, साथ ही एनआईसीटी द्वारा चयनित छः बैंक सखी के कियोस्क का शुभारम्भ भी हुआ। इस अवसर पर श्री राघवेन्द्र (चेयरमेन– नर्मदा झाबुआ ग्रामीण बैंक) श्री प्रदीप कासलीवाल (वरिष्ठ समाज सेवी एवं उद्योगपति) श्री महेन्द्र गुप्ता (सीटीओ–एनआईसीटी) श्री मति आरती कुशवाहा (सीईओ– प्रिय सखी महिला संध, इंदौर) श्री आलोक खरे आदि उपस्थित रहे। श्री महेन्द्र गुप्ता, श्रीमति आरती कुशवाहा एवं शाखा प्रबंधक द्वारा चयनित बैंक सखियों को लेपटोप प्रदान किये गये।

दिनांक 17 अक्टूबर 2014 को बड़वानी जिला के **छिखलिया ग्राम** में डीएम श्री मनीष शर्मा द्वारा क्षेत्र की समूह वर्ग में कार्य करने वाली महिलाओं को बैंक खाते खुलवाने के लिये समझाया गया और सरकारी योजनाओं का इन खातों के जरिये कैसे कार्यान्वयन होगा इन सब बातों से अवगत कराया गया।

जिला **बड़वानी ग्राम उप्ला** के स्कूल और स्वास्थ विभाग में अलग–अलग स्थानों पर **''जन–धन योजना''** के अंतर्गत लोगों को बैंक में खाता खुलवाने के फायदे बताये गये व सरकारी योजनाओं का किस तरह से इन खातों के जरिये संचालन होगा आदि बातों से भी अवगत कराया गया। इंदौर से आये श्री अमित कुमार चौहान ने कार्यक्रम का संचालन किया।

असम

दिनांक 11 अक्टूबर 2014 को **कोकराझार जिला के बनार्गओं** में "**बैंक ऑफ बड़ौदा**" के "ग्राहक सेवा केन्द्र" का शुभारम्भ किया गया। कियोस्क के संचालक श्री अनुपम रॉय है।

बिहार

दिनांक 10 अक्टूबर 2014 को जमशेदपुर जिला के **बिरास नगर** में "**बैंक ऑफ इंण्डिया**" के "ग्राहक सेवा केन्द्र" का शुभारम्भ किया गया। इस कियोस्क के उद्घाटन के अवसर पर बैंक से वित्तीय समावेशक व शाखा प्रबंधक और एनआईसीटी से श्री शेखर वर्मा ने अपनी उपस्थिति दी। इस कियोस्क के संचालक श्री हेमन्त कुमार सिंह है।

गुजरात

श्री सी. बी. सावंत (चेयरमेन–**सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक,** मुख्य शाखा) एवं श्री कुणाल शाह (एसपीएम– एनआईसीटी) के बीच एक बैठक हुई जिसमें आगामी दिनों में बैंकिंग के क्षेत्र में होने वाले कार्यो पर चर्चा की गयी।

दिनांक 14 अक्टूबर 2014 को बनासकांथा जिला के पालनपुर में "**बैंक ऑफ बड़ौदा**" के "ग्राहक सेवा केन्द्र" का शुभारम्भ किया गया।

अहमदाबाद में एसडीपी इन्श्योरेन्स प्रशिक्षण का आयोजन।

NICT संपर्क
साप्ताहिक समाचार पत्र

राजस्थान

दिनांक 13 अक्टूबर 2014 को एनआईसीटी के **जयपुर कार्यालय** में समस्त एसडीपीओं के लिये इन्श्योरेन्स से संबंधित जानकारी के लिये कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उड़ीसा

दिनांक 13 अक्टूबर 2014 को जिला **सम्बलपुर** में एसडीपीओं के लिये एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन।

पश्चिम बंगाल

दिनांक 10 अक्टूबर 2014 को वर्धवान सम्भाग के जिला पुरूलिया में **श्यामनगर, बालारामपुर** ग्राम स्थानातर्गत "**एसबीआई**" के "**ग्राहक सेवा केन्द्र**"(1ए761456) की शुरूवात की गयी। कियोस्क का उद्घाटन संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक द्वारा किया गया। कियोस्क संचालक श्री प्रदीप कुमार चकवर्ती है।

कर्नाटक

दिनांक 16 अक्टूबर 2014 को **जिला शिमोगा** में कियोस्क बैंकिंग की सेवाओं के लिये एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दिनांक 16 अक्टूबर 2014 को "**एसबीआई**" एजीएम द्वारा कियोस्क संचालकों को ड्रेस वितरित की गयी और क्षेत्रीय स्तर पर कार्य करने की समझाइस दी गयी।

दिनांक 16 अक्टूबर 2014 को शिमोगा जिला के **मार्केट रोड़, सगारा** ग्राम में **एसबीआई** के "**ग्राहक सेवा केन्द्र**" का शुभारम्भ किया गया। कियोस्क का उद्घाटन श्री उदय भानू जोयस (शाखा प्रबंधक) द्वारा किया गया। कियोस्क संचालक श्री संदेश है।